No. of Printed Pages : 8

# BPYC–131

## BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

## PHILOSOPHY

## (BDP)

## Term-End Examination

## December, 2024

### BPYC–131 : INDIAN PHILOSOPHY

*Time : 3 Hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Answer all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to question no. 1 and **2** should be in about **400** words each.*

1. Do you agree that "Indian philosophy is pessimistic and escapist" ? Substantiate your answer. 20

*Or*

Write a detailed note on the idea of perception in Nyāya philosophy. 20

2. Write an essay on four noble truths (Catu Ārya Satya) of Buddhism. 20

*Or*

Explain and evaluate Anekāntavāda of Jain philosophy. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) Write a note on the philosophical implications of 'Tajjalaniti'. 10

   (b) Explain briefly the nature of Mokśa (Liberation) in Madhva's philosophy. 10

   (c) How does Sāṁkhya philosophy prove the existence of Puruṣa ? 10

   (d) What is Vivartavāda ? Distinguish it from Parināmavāda. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Distinguish between Satkāryavāda and Asatkāryavada. 5

(b) What is the nature of ultimate reality, according to Vallabhāchārya ? Discuss briefly. 5

(c) Critically evaluate the idea of Śabda Pramāṇa of Nyāya philosophy. 5

(d) What is the nature of reality, according to Śaṁkara's philosophy ? Discuss briefly. 5

(e) What are the salient features of Cārvaka metaphysics ? Discuss briefly. 5

(f) What is Yathārtha Jñāna, according to Nyāya philosophy ? Describe. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Parārthānumāna 4

(b) Smṛti 4

(c) Vedāṅga 4

(d) Sāmānyalakśaṇa perception 4

(e) Avidyā 4

(f) Upaniśad 4

(g) Tattvamasi 4

(h) Mahākāvya 4

# BPYC–131

## स्नातक उपाधि कार्यक्रम दर्शनशास्त्र

## ( बी.डी.पी. )

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2024

### बी.पी.वाई.सी.–131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

---

***नोट :*** *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न क्रमांक* ***1*** *व* ***2*** *के उत्तर लगभग* ***400–400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि ''भारतीय दर्शन निराशावादी और पलायनवादी है'' ? अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। 20

**अथवा**

न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष के विचार पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 20

2. बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों पर निबन्ध लिखिए। 20

**अथवा**

जैन दर्शन के अनेकान्तवाद की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए :

(क) 'तज्जलानिति' के दार्शनिक निहितार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 10

(ख) मध्व के दर्शन में मोक्ष की प्रकृति को संक्षेप में समझाइए। 10

(ग) सांख्य दर्शन पुरुष का अस्तित्व कैसे सिद्ध करता है ? 10

(घ) विवर्तवाद क्या है ? परिणामवाद और विवर्तवाद में अंतर कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(क) सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(ख) वल्लभाचार्य के अनुसार परम सत् की प्रकृति क्या है ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 5

(ग) न्याय दर्शन में शब्द प्रमाण के विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 5

(घ) शंकर के दर्शन के अनुसार सत् की प्रकृति क्या है ? संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(ङ) चार्वाक तत्वमीमांसा की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ? संक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

(च) न्याय दर्शन के अनुसार यथार्थ ज्ञान क्या है ? वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) परार्थानुमान 4

(ख) स्मृति 4

(ग) वेदांग 4

(घ) सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष 4

(ङ) अविद्या 4

(च) उपनिषद् 4

(छ) तत्वमसि 4

(ज) महाकाव्य 4

,

× × × × × × ×